कप धोते-धोते हुए तंग आ गया हूं।

www.aapkafaisla.co.in

वर्ष 7 अंक 75 शिमला, बुधवार, 30 अक्तूबर, 2013 तदनु

सबूत मिटाना अब टेढी खीर

देश की दूसरी बेहतरीन फोरेंसिक लैब धर्मशाला में

10 करोड़ से चकाचक होगा गगल-धर्मशाला मक्लोडगंज मार्ग

अशोक महाजन

धर्मशाला, 29 अक्तूबर। मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने आज शहीद स्मारक धर्मशाला में केंद्रीय सड़क कोष परियोजना के अन्तर्गत 10.02 करोड़ रुपये की लागत से गग्गल चैतडू-धर्मशाला-मैकलोडगंज मार्ग के सुधार के लिए भूमि पूजन किया। उन्होंने धर्मशाला स्थित क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में 48 लाख रुपये के लागत की 'डिजीटल इमेजिंग सपेटोग्राफ' फोरेंसिक मशीन का लोकार्पण भी किया। यह मशीन उत्तर भारत में पहली तथा कोलकात्ता के पश्चात् देश की दूसरी मशीन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अल्ट्रा मॉडर्न मशीन 3-डी इमेजिंग तकनीक के द्वारा दस्तावेजों से छेड़छाड़ एवं धोखाधड़ी की जांच में सहायक होगी। इसके पश्चात, हिमाचल प्रदेश पशुपालन फार्मासिस्ट के तीसरे राज्य स्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पशुपालकों के हित में ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक योजनाएं आरम्भ की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 92 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या इस व्यवसाय से जुड़ी है और 2007 की जनगणना के अनुसार राज्य में 52.16 लाख पशु हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में 45 प्रतिशत सुधरी हुई शंकर प्रजाति के दुधारू पशु हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार 2137 पशु संस्थानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों को उनके घरद्वार पर सुधरी हुई नस्ल की पशु सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए अनेक उपाय सुनिश्चित बना रही है। उन्होंने कहा कि जिन पंचायतों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां 1012 पशु औषधालय आरम्भ किए गए हैं तथा इस वर्ष 241 ऐसे और संस्थान क्रियाशील बनाए जाएंगे। वीरभद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने एवं पशुओं की सुधरी नस्ल को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार के सहयोग से 2.90 करोड़ रुपये की लागत से पालमपुर में कृत्रिम गर्भाधान प्रयोगशाला आरम्भ की जा रही है। उन्होंने कहा कि गत वित्त वर्ष के दौरान राज्य में 11.38 लाख टन दुग्ध एवं 1649 टन ऊन का उत्पादन किया गया। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए 90 वैटरनरी

-(शेष पृष्ठ दो पर)-

फर्जी दस्तावेजों की जांच होगी आसान

फोरेंसिक लैब धर्मशाला में डिजीटल फोरेंसिक इमेजिंग स्पैक्ट्रोग्राफ मशीन स्थापित

धर्मशाला, 26 अक्तूबर (जिनेश): फोरेंसिक लैब धर्मशाला में 40 लाख की लागत से जाली दस्तावेजों की जांच करने के लिए डिजीटल फोरेंसिक इमेजिंग स्पैक्ट्रोग्राफ अत्याधुनिक मशीन लगाई गई है। सहायक निदेशक फोरेंसिक लैब डा. एस.के. पाल ने बताया कि इस मशीन से वीजा, पासपोर्ट, जाली करंसी व हैंडराइटिंग्स मामलों में जांच करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस मशीन से इन दस्तावेजों में लग जाएगा। साथ ही यदि किसी प्रकार की इंफोर्मेशन कागज में छिपाई गई है तो वो भी इस मशीन के माध्यम से सामने आ जाएगी। मशीन में दस्तावेज को एग्जामिन करने पर इसकी थ्री.डी. इमेज बनेगी जिसमें दस्तावेजों में हुई छेड़छाड़ का साफ पता लग जाएगा। इसके अलावा जाली नोट में वाटरमार्क्स की परख भी मशीन द्वारा की जाएगी। मशीन से बनने वाली थ्री.डी. इमेज में दस्तावेजों में लिखे गए शब्दों का स्थान, दूरी व अलावा लिखते समय दस्तावेज में पड़े पैन के प्रैशर तक की इमेज भी साफ दिखाई देगी।

> क्षेत्रीय फोरेंसिक लैब धर्मशाला में डिजीटल फोरेंसिक इमेजिंग स्पैक्ट्रोग्राफ मशीन का 29 अक्तूबर को मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह उद्घाटन करेंगे। इस मशीन से जाली दस्तावेजों के मामलों को निपटाने में सहायता मिलेगी।
>
> - डा. अरुण शर्मा, निदेशक स्टेट फोरेंसिक लैब जुंगा

पूर्व रक्षा अधिकारियों को कारावास

एचआरटीसी कर्मियों-पेंशनरों

मुकदमों